PC - 206
(412) M.A. HINDI (SECOND SEMESTER)

Examination JUNE 2020

Compulsory/Optional

Group-

Paper-II

MADHYAKALIN KAVYA

Time:- Three Hours | Maximum Marks: 080

Minimum Passing Mark-....

नोट : दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

Note: Answer from Both the Section as Directed. The Figures in the right-hand margin indicate marks.

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1x10

(1) रामसचित मानस में कुल कितने काण्ड हैं?

(2) 'मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोई।
जतन की झाई परै, स्याम हरित दुति होय।' पंक्ति किस कवि की है?

(3) रामचंद्रिका नामक महाकाव्य के रचनाकार का नाम लिखिए?

(4) भक्तिकाल में समन्वयवादी कवि किसे कहा जाता है?

(5) 'प्रेम की पीर' का गायक किस रितिकालीन कवि को कहा जाता है?

(6) सूरदास के जन्म स्थान का नाम लिखिए।

(7) 'कठिन काव्य का प्रेत' किस कवि को कहा जाता है?

(8) ''मुक्तक' काव्य का एक चुना हुआ गुलदस्ता है।' कथन किसका है?

(9) तुलसीदास के बचपन का नाम लिखिए।

(10) पद्माकर ने सिंधिया नरेश की प्रशस्ति में कौन सा ग्रंथ लिखा?

(11) किसी एक रीतिमुक्त कवि का नाम लिखिए?

(12) सगुण भक्ति धारा की दो शाखाओं के नाम लिखिए?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पॉच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये: 2x5

(क) बिहारी की काव्य भाषा।

(ख) सुंदरकाण्ड का भावपक्ष संक्षेप में।

(ग) भूषण के काव्य की तीन प्रमुख विशेषताएं।

(घ) भ्रमरगीत का अर्थ।

(ड.) केशव का जीवन परिचय।

(च) देव के श्रृंगारिक कविता की विशेषताएं।

(छ) पद्माकर के काव्य में प्रकृति चित्रण।

खण्ड – ब

सभी प्रश्न अनिवार्य है :–

3. निम्न पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– 07 अंक

(क) निर्गुन कौन देस को वासी?
मधंकर! हँसी समुझाय सौंह दै बूझति साँच न हाँसी।
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि का दासी?
कैसो बरन भेस है कैसो केहि रस में अभिलासी।।
पावैगो पुनि कियो आपनो, जो रे कहैगो गाँसी।
सुनत मौन हो रह्यो ठग्यो, से सूरसवै मति नासी।।

अथवा / **OR**

बिनु गोपाल बैरिन भई कुंजै।

तब ये लता लगति अति सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुँजै।
वृथा बहति जमुना खग बोलत, वृथा कमल फूलै अलि गुंजै।
पवन पानि घनसार संजीवनि, दधि सुत किरन भानु भँई भूंजै।
ऐ उधो कहियो माधव सौ, विरह रूदन करि मारत लुंजै।
सूरदास प्रभु को मग जोवत, अंखियाँ भइँ वरन् ज्यों गुंजै।।

(ख) "सूरदास में जितनी सहृदयता और भावुकता है, प्रायः उतनी ही चतुरता और वाग्विदग्धता भी है।' सोदाहरण पुष्टि कीजिए? **08 अंक**

अथवा

सूर के भ्रमरगीत की कलापक्ष की दृष्टि से विशेषताएं लिखिए?

4. निम्न की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– **07 अंक**

(क) मसक समान रूप कवि धरी। लंकहि चलेउ सुमिरि नरहरी।।
नाम लंकिनी एक निसिचरी। सोकह चलेसि मोहि निंदरी।।
जानेहि नहीं मरमु सठ मोरा। मोर अहार जहाँलगि चोरा।।
मुठिका एक महाकपि हनी। रूधिर बमत धरनी ढनमनी।।
पुनि संभार उठि सो लंका। जोरि पानि कर विनय ससंका।।
जब रावनहिं ब्रम्ह बर दीन्हा। चलत बिरंचि कहा मोहि चीन्हा।।

अथवा

अनुज सहित मिलि ढिग बैठारी। बोले बचन भगत भयहारी।।
कहु लंकेस सहित परिवारा। कुसल कुठाहर वास तुम्हारा।।
खल मंडली बसहु दिनराती। अति नय निपुन न भाव अनीती।।
बरू भल बास नरक कर ताता। दुष्ट संग जनि देइ बिधाता।।
अब पद देखि कुसल रघुराया। जो तुम्ह किन्हि जानि जनदाया।।
तब लगि कुसल न जीव कहुँ सपनेहुँ मन विश्राम।
जब लगि भजत न राम कहुँ सोक धाम तजि काम।।

(ख) तुलसी साहित्य में समाज का ही नहीं, कविता के कलापक्ष का भी समन्वय हुआ है, सोदाहरण समझाइए? **08 अंक**

अथवा

तुलसी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सोदाहरण लेख लिखिए?

5. (क) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– **07 अंक**

मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाई परै, स्याम हरित दुति होइ।।
अजौ तरचौना ही रह्यौ, श्रुति सेवक इक रंग।
नाक बास बेसरि लह्यौ, बसि मुकुतन कै संग।।

अथवा

आवत जात न जानियतु, तेजहिं तजि सियरानु।
घरहँ जवाई लौ घट्यौ, खरौ पूस दिनमानु।।
बड़े ने दुजै गुनन बिनु, बिरद बड़ाई पाइ।
कहत धतूरे सो कनक, गहरों गढ़्यौ न जाइ।।

(ख) 'बिहारी के दोहों ने गागर में सागर भर दिया है।'इस कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए। **08 अंक**

अथवा

बिहारी के श्रृंगार वर्णन की विशेषताएं लिखिए।

6. (क) रीतिकालीन कवि केशव का साहित्यिक परिचय सविस्तार लिखिए? **08 अंक**

अथवा

घनानंद के विरह वर्णन को सोदाहरण लिखिए?

(ख) सिद्ध कीजिए कि देव रीतिकाल के कवियों में अपना अलग स्थान रखते हैं? **07 अंक**

अथवा

पद्माकर के काव्य सृजन की विवेचना कीजिए?